हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
रविवार, 17 सितंबर 2017

PAGE NO. : 05 TOP

एसआरएमएस में सेमिनार के दूसरे दिन वक्ताओं ने बताया अपराध नियंत्रण का मंत्र

फॉरेंसिक साइंस कारगर हथियार

बरेली | प्रमुख संवाददाता

श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेज (एसआरएमएस-आईएमएस) में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कान्फ्रेंस व इंडियन कांग्रेस में बढ़ते अपराधों को रोकने पर मंथन हुआ। विशेषज्ञों ने अपराध नियंत्रण में फॉरेंसिक साइंस की बढ़ती जरूरत के सथ फॉरेंसिक एक्सपर्ट की कमी पर चिंता जताई। साथ ही कहा कि बढ़ते अपराध की रोकथाम में फॉरेंसिक साइंस ही कारगर है।

एसआरएमएस के फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग की ओर से इंडियन कांग्रेस ऑफ फॉरेंसिक मेडिसीन एंड टॉक्सिकोलॉजी (आईसीएफएमटी) का आयोजन किया गया था। पहले दिन सीएमई के बाद शनिवार को कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रुहेलखंड विवि के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला, आईसीएफएमटी के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. टीडी डोंगरा, चेयरमैन देव मूर्ति और निदेशक प्रशासन आदित्य मूर्ति ने किया।

इस दौरान सीबीआई एफएसएल के पूर्व निदेशक डॉ. राजेंद्र सिंह दांगी भी मौजूद थे। टीडी डोंगरा ने कहा, समाज में बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं। ऐसे में सबको मिलकर इस दिशा में कार्य करना होगा। पुलिस प्रशासनिक अफसर और फॉरेंसिक साइंस के विशेषज्ञों को मिलकर काम करना होगा। तभी ऐसे अपराधों पर नियंत्रण हो सकेगा।

संस्थान के प्राचार्य डॉ. आरसी पुरोहित ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। आयोजक सचिव डॉ. जसविन्दर सिंह ने व्याख्यान दिया। चेयरमैन देवमूर्ति ने अतिथियों के साथ सोविनियर का विमोचन किया। कुलपति ने यूसीएमएस के डायरेक्टर डॉ. एके वर्मा को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया।

डॉ. एसके वर्मा ने फॉरेंसिक विशेषज्ञों से समाज की धारणा एवं उम्मीद विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। एम्स से आये डॉ. ओपी मूर्ति ने महिलाओं के खिलाफ अपराध-हत्या और आत्महत्या में फॉरेंसिक एक्सपर्ट एवं जांच की भूमिका के बारे में व्याख्यान प्रस्तुत दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोमशेखर शर्मा ने किया।

कांफ्रेंस

- एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजन, जुटे विशेषज्ञ
- इंदिरा गांधी का पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. डोंगरा भी पहुंचे

एसआरएमएस-आईएमएस में शनिवार को संस्थान के चेयरमैन देवमूर्ति ने फॉरेंसिक साइंस पर चल रही कांफ्रेंस के दौरान अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

बैक्टीरिया भी पहुंचा देंगे जेल

एक्सपर्ट की बात

बरेली। अपराधी पकड़ने को बैक्टीरिया भी अब फोरेंसिक साइंस के विशेषज्ञ की मदद करेंगे। ये बैक्टीरिया अपराधियों के हाथों के होंगे जो अपराधी तक पुलिस को पहुंचा देंगे। सीबीआई फोरेंसिक लैब के पूर्व निदेशक डॉ. राजेंद्र सिंह दांगी ने कहा माइक्रोबियल एविडेंस इतने कारगर है जितने की फिंगर प्रिंट और डीएनए।

आरुषि हत्याकांड, शहला मसूद हत्याकांड और बदायूं सगी बहनों के रेप व हत्या में सीबीआई की फोरेंसिक टीम को लीड करने वाले डॉ. दांगी ने कहा कि इंसान के हाथों में अरबों माइक्रोबियल कोशिकाएं हैं जो कवक व जीवाणुओं से बनी हैं। वस्तुओं को स्पर्श करते हुए पीछे माइक्रोबियल फिंगरप्रिंट छोड़ते हैं। इसे मिटा पाना संभव नहीं है।

फोरेंसिक लैब में नियुक्ति के लिए नेट जैसे टेस्ट की योजना

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के डायरेक्टर डॉ. एसके वर्मा बोले, फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री में काफी विशेषज्ञों की जरूरत है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी फोरेंसिक साइंस नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट) जैसे फोरेंसिक एलिजबिलिटी टेस्ट प्लान कर रही है।